7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 19 संस्करण : उत्तर प्रदेश | उत्तराखंड | हिमाचल | जम्मू-कश्मीर | दिल्ली | हरियाणा | पंजाब | चंडीगढ़
G नगर
वर्ष 15 | अंक 288 | पृष्ठ : 22
मूल्य : साढ़े तीन रुपये
अमर उजाला
नई दिल्ली
बृहस्पतिवार, 25 जनवरी 2018
amarujala.com

स्पोर्ट्स तीसरे टेस्ट में विराट ने जड़ा अर्द्धशतक, फिर भी टीम 187 पर ढेर...20 दिल्ली-एनसीआर

यीडा में दस कंपनियां करेंगी 65 अरब रुपये का निवेश

अमर उजाला ब्यूरो
ग्रेटर नोएडा।

यमुना प्राधिकरण के क्षेत्र में 6500 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए 10 कंपनियों के साथ एमओयू साइन किया गया है। इन कंपनियों को अगले माह लखनऊ में होने वाले निवेश समिट में आवंटन पत्र प्रदान किया जाएगा।

ये दस कंपनियां अलग-अलग क्षेत्र से जुड़ी हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के अलावा कई तरह के उत्पाद वाली कंपनियां शामिल हैं। हालांकि यीडा ने फिलहाल नाम का खुलासा नहीं किया है। निवेश समिट में ही कंपनियों के नाम सार्वजनिक किए जाने की बात कही गई है। मालूम हो कि निवेश समिट 21 व 22 फरवरी को लखनऊ में होगा, जिसमें प्रदेश भर के तमाम औद्योगिक क्षेत्र में निवेश करने की इच्छुक कंपनियां के साथ करार होगा। इस मसले पर बुधवार को यमुना प्राधिकरण की बैठक भी हुई।

यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि इन कंपनियों के लगने से एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। कंपनियों को नई औद्योगिक नीति के तहत सुविधाएं व छूट दी जाएंगी। मालूम हो कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरणों से 10-10 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य दिया गया है। दोनों इसी दिशा में प्रयासरत हैं।

एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना

ऑटो एक्सपो की तैयारी में जुटा प्राधिकरण

7 से 14 फरवरी तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में होने जा रहे ऑटो एक्सपो की तैयारी प्राधिकरण ने भी शुरू कर दी है। बुधवार को प्राधिकरण में इस पर बैठक हुई, जिसमें सड़कें दुरुस्त करने, हरियाली बढ़ाने, ग्रीन बेल्ट व सेंट्रल वर्ज को साफ करने, पेयजल की व्यवस्था करने आदि पर चर्चा हुई। सेंट्रल वर्ज और फुटपाथ पर लगी रेलिंग की पुताई का काम भी शुरू कर दिया है।

सात और बिल्डरों के साथ की बैठक

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बुधवार को भी सात और बिल्डरों के साथ बैठक की। ये वे बिल्डर हैं, जिनके प्रोजेक्ट की ऑडिट क्यूरी एंड ब्राउन संस्था कर चुकी है। ये प्रोजेक्ट ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित हैं। इन बिल्डरों से प्राधिकरण ने पूछा है कि फ्लैटों का निर्माण वे कैसे पूरा करेंगे। प्राधिकरण ने एक सप्ताह में रिपोर्ट देने को कहा है। एजेंसी ने कुल 25 प्रोजेक्ट की ऑडिट रिपोर्ट तैयार की है, जिसमें से सात प्रोजेक्ट के बिल्डरों के साथ मंगलवार को भी सीईओ देबाशीष पंडा बैठक कर चुके हैं। अब तक कुल 14 बिल्डरों की रिपोर्ट की समीक्षा हो चुकी है। बाकी 11 प्रोजेक्ट के बिल्डरों को बृहस्पतिवार को बुलाया गया है। आगामी एक फरवरी को प्रस्तावित बोर्ड बैठक में ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर बिल्डरों को राहत देने का प्रस्ताव रखने की योजना है, जिससे कि उनसे प्रोजेक्ट पूरा कराकर खरीदारों को फ्लैटों पर पजेशन दिलाया जा सके। ब्यूरो

सात ठेकेदारों पर 2.35 लाख जुर्माना

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग ने सात ठेकेदारों पर 2.35 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। ग्रेनो प्राधिकरण के डीजीएम एके अरोड़ा ने बताया ग्रीनरी का रखरखाव ठीक से न करने पर ये कार्रवाई की गई है। एस बिल्डर व ओम साईं फ्लोरा पर 40-40 हजार, विनीत कंस्ट्रक्शन पर 20 हजार, अजब बिल्डर्स पर 35 हजार, पथिक बिल्डर्स पर 30 हजार, अंकुर एसोसिएट्स पर 50 हजार और माधव एसोसिएट्स पर 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। ब्यूरो

7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 19 संस्करण : उत्तर प्रदेश | उत्तराखंड | हिमाचल | जम्मू-कश्मीर | दिल्ली | हरियाणा | पंजाब | चंडीगढ़
G नगर
वर्ष 15 | अंक 288 | पृष्ठ : 22
मूल्य : साढ़े तीन रुपये
अमर उजाला
नई दिल्ली
बृहस्पतिवार, 25 जनवरी 2018
amarujala.com

स्पोर्ट्स तीसरे टेस्ट में विराट ने जड़ा अर्द्धशतक, फिर भी टीम 187 पर ढेर...20 दिल्ली-एनसीआर

यीडा में 10 कंपनियां करेंगी 6500 करोड़ का निवेश

अमर उजाला ब्यूरो
ग्रेटर नोएडा।

यमुना प्राधिकरण के क्षेत्र में 6500 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए 10 कंपनियों के साथ एमओयू साइन किया गया है। इन कंपनियों को अगले माह लखनऊ में होने वाले निवेश समिट में आवंटन पत्र प्रदान किया जाएगा।

सात और बिल्डरों के साथ की बैठक

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बुधवार को भी सात और बिल्डरों के साथ बैठक की। ये वे बिल्डर हैं, जिनके प्रोजेक्ट की ऑडिट क्यूरी एंड ब्राउन संस्था कर चुकी है। ये प्रोजेक्ट ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित हैं। इन बिल्डरों से प्राधिकरण ने पूछा है कि फ्लैटों का निर्माण वे कैसे पूरा करेंगे।

ये दस कंपनियां अलग-अलग क्षेत्र से जुड़ी हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के अलावा कई तरह के उत्पाद वाली कंपनियां शामिल हैं। हालांकि यीडा ने फिलहाल नाम का खुलासा नहीं किया है। निवेश समिट में ही कंपनियों के नाम सार्वजनिक किए जाने की बात कही गई है। मालूम हो कि निवेश समिट 21 व 22 फरवरी को लखनऊ में होगा, जिसमें प्रदेश भर के तमाम औद्योगिक क्षेत्र में निवेश करने की इच्छुक कंपनियां के साथ करार होगा। इस मसले पर बुधवार को यमुना प्राधिकरण की बैठक भी हुई। यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि इन कंपनियों के लगने से एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

नई दिल्ली, गुरुवार
25 जनवरी 2018
नोएडा
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 22+8=30
दैनिक जागरण
www.jagran.com
दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पं. बंगाल से प्रकाशित
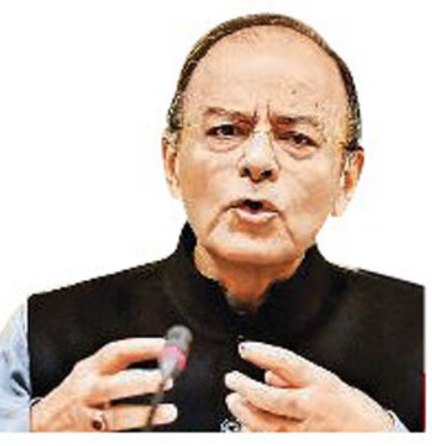
कुपोषण दूर करने वाली खेती को मिलेगा बढ़ावा } 12 सरकारी बैंकों को मिलेंगे एक लाख करोड़ रुपये : जेटली } 12

साढ़े छह हजार करोड़ के निवेश के लिए एमओयू

यमुना प्राधिकरण के ओएसडी की मौजूदगी में हुए हस्ताक्षर, दस कंपनियों ने निवेश के लिए किया समझौता

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में निवेश को लेकर दस कंपनियों ने एमओयू हस्ताक्षर किए। यह कंपनियां प्राधिकरण क्षेत्र में साढ़े छह हजार करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। अगले माह आयोजित होने जा रहे निवेश सम्मेलन में कंपनियों को आवंटन पत्र जारी किए जाएगा।

यमुना प्राधिकरण में निवेश को लेकर काफी कंपनियां प्रस्ताव दे चुकी हैं। इससे प्राधिकरण क्षेत्र में औद्योगिक विकास तेज होने के साथ रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। लाखों लोगों के लिए रोजगार का मौका मिलेगा। बुधवार को प्राधिकरण कार्यालय में दस कंपनियों के प्रतिनिधियों ने प्राधिकरण के साथ निवेश प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। ओएसडी शैलेंद्र भाटिया की मौजूद में प्राधिकरण व कंपनी प्रतिनिधियों ने एमओयू हस्ताक्षर किए। प्राधिकरण इन कंपनियों को 21 व 22 आयोजित होने जा रहे निवेश सम्मेलन में भूखंड आवंटन पत्र जारी करेगा। इन कंपनियों में आईटी, इलेक्ट्रानिक्स समेत विभिन्न उत्पाद तैयार करने वाली कंपनियां शामिल हैं। इसलिए प्राधिकरण क्षेत्र में औद्योगिक विकास बढ़ाने के पहलू से यह काफी अहम है। जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद प्राधिकरण क्षेत्र में निवेश को लेकर कंपनियों की रुचि काफी बढ़ी है। इलेक्ट्रानिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, आइटी, बिजली उत्पाद तैयार करने वाली कंपनी समेत निर्माण क्षेत्र की विदेशी कंपनी भी निवेश के लिए रुचि दिखा चुकी हैं। निवेश सम्मेलन के मौके पर प्राधिकरण औद्योगिक भूखंड योजना निकालने जा रहा है। इससे प्राधिकरण क्षेत्र में औद्योगिक विकास तेज होगा।